

प्रभारी मंत्री संपत्तिया उईके ने हितग्राहियों को बांटे हितलाभ व स्वीकृति पत्र, अधिकारियों को समय-सीमा में आवेदनों के निराकरण के दिए निर्देश

प्रभारी मंत्री संपत्तिया उईके ने हितग्राहियों को बांटे हितलाभ व स्वीकृति पत्र, अधिकारियों को समय-सीमा में आवेदनों के निराकरण के दिए निर्देश

से संबंधित आवेदन ग्रामीणों ने प्रस्तुत किए। कई आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया, जबकि शेष आवेदनों को संबंधित विभागों को सौंपकर समय-सीमा में कार्रवाई के निर्देश दिए गए। स्वास्थ्य शिविर में ग्रामीणों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक दवाइयाँ वितरित की गईं। प्रभारी मंत्री ने स्वास्थ्य शिविर का निरीक्षण कर मरीजों से चर्चा की और स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। इस अवसर पर धौहनी विधायक कुँवर सिंह टेकाम, कलेक्टर गौरव बैनल, पुलिस अधीक्षक सियाज के.एम., जिला पंचायत सीईओ संप्रिय, जनपद अध्यक्ष प्रणव पाठक, एसडीएम सुशीर खंडा स्वरूप श्रीराम सिंह जिला एवं रूखंड क्षेत्र के अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

शिविर में ग्राम कुदवार
निवासी मोतीलाल सिंह, गुलाब
गा तथा ग्राम परसोहर निवा
रगत सिंह गौड़ एवं जयम
सिंह को इंदिरा गांधी राष्
ट्रवास्था योजना का ला
दया गया। ग्राम करदा के व
हादुर सिंह और शिवनाथ
सिंह के आयुष्मान कार्ड स्वी
कए गए। मुख्यमंत्री जन कल्या
न बल योजना के तहत धौह
निवासी तेजभान सिंह को
मन्ती सिंह की मृत्यु पर चार ला
रुपये तथा कुदवार निवासी बिह
गा को पत्नी लखी बैगा की मृ
र दो लाख रुपये की अनु
हायता प्रदान की गई। प्राकृ
निवासा राहत के तहत कर
निवासी चित्रसेन सिंह गौड़
पदंश की घटना में चार ला
रुपये की राहत राशि दी गई।

सिंगरौली। सेवा सेतु अभियान एवं जन विश्वास अभियान के तहत कलेक्टर गौरव बैलन ने शनिवार को मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय देवसर का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय में संचालित कक्षाओं, स्मार्ट क्लास तथा शिक्षण व्यवस्था का जायजा लिया। कलेक्टर ने विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए शिक्षकों को आवश्यक निर्देश दिए।

कलेक्टर ने स्मार्ट क्लास के माध्यम से ऑनलाइन कोचिंग नियमित एवं सुचारु रूप से संचालित करने को कहा। उन्होंने विद्यालय में बेहतर इंटरनेट कनेक्टिविटी की

यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री के साथ विशेषज्ञों का मार्गदर्शन मिल सके। उन्होंने कहा कि आईआईटी-जेईई और नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं को तैयारी के लिए ऑनलाइन कक्षाओं का विद्यार्थियों को अधिक से अधिक लाभ दिलाया जाए। निरीक्षण के दौरान एक शिक्षिका के अनुपस्थित पाए जाने पर कलेक्टर ने एक दिवस का वेतन काटने तथा कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। वहीं विद्यालय के समीप दिए गए अतिक्रमण की जानकारी लेकर नियमानुसार कार्रवाई करने के लिए तहसीलदार को निर्देशित किया।

प्रभारी मंत्री के हाथों हितग्राहियों को मिला सामाजिक सुरक्षा एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ

सिंगरौली। ग्राम पर 4,00,000 तथा ग्राम

कार्ड स्वीकृत किए गए। इस अवसर पर पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ प्रदान करते हुए उनके बेहतर स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी भी दी गई। मुख्यमंत्री जन कल्याण (संबल) योजना के अंतर्गत ग्राम धौहनी निवासी तेजभान सिंह को उनकी पत्नी अन्ती सिंह की मृत्यु

पर 4,00,000 तथा ग्राम कुदवार निवासी बिहारी बैंगन को उनकी पत्नी लल्लू बैंगन की मृत्यु पर 2,00,000 का अनुग्रह सहायता राशि प्रदान की गई। इसी प्रकार प्राकृतिक आपदा राहत के अंतर्गत ग्राम कदा निवासी सिंह गौड़ को सर्पसंद की मृत्यु में 4,00,000 की राहत राशि दी गई। जन विश्वास शिविर धर्म से पात्र हिताग्रहियों को उनकी जनकल्याणकारी भाओं का लाभ उपलब्ध करा गया तथा जरूरतमंदों को सामाजिक एवं सुरक्षा प्रदान करने की महत्वपूर्ण पहल की गई।

आंगनवाड़ी केन्द्र समय पर खोलने एवं बच्चों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए निर्देश

सिंगरौली। सेवा सेतु अभियान एवं मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत कलेक्टर गौख बैलन ने आदर्श आंगनवाड़ी केन्द्र मझिमवाड़ा क्रमांक-1 का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने आंगनवाड़ी केन्द्र में संधारण पंजियों एवं अभिलेखों का अवलोकन करते हुए बच्चों की उपस्थिति, केन्द्र के संचालन तथा बच्चों को उपलब्ध कराए जा रहे पोषण आहार की स्थिति का जानकारी ली। आंगनवाड़ी केन्द्र की व्यवस्थाएँ संतोषजनक नहीं पाए जाने पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त करते हुए आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।



कलेक्टर ने निर्देशित किया कि आंगनवाड़ी केन्द्र निर्धारित समय पर अनिवार्य रूप से खुले तथा बच्चों को नियमित एवं शत-प्रतिशत उपर्युक्त सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि बच्चों को नाश्ता एवं पोषण आहार निर्धारित समय पर उपलब्ध कराया जाए तथा पोषण आहार की गुणवत्ता एवं वितरण को नियमित निगरानी की जाए। उन्होंने बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर की सतत निगरानी करते हुए नियमित रूप से वजन लेने के निर्देश दिए, ताकि बच्चों के पोषण स्तर में

हीने वाले परिवर्तन की समय पर पहचान की जा सके। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कुपोषित बच्चों की स्थिति की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि आंगनवाड़ी केन्द्रों में एसएमए एवं एमएमए श्रेणी के बच्चों को चिह्नित कर उनकी नियमित निगरानी की जाए तथा आवश्यकता अनुसार उन्हें एनआरसी केन्द्रों में भर्ती कराकर समुचित उपचार एवं पोषण उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि कुपोषण की रोकथाम के लिए बच्चों के अभिभावकों को भी पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई जाए।

महिलाओं के स्वास्थ्य की नियमित जांच सुनिश्चित करने तथा उन्हें आवश्यक स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी केन्द्रों के माध्यम से बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं धारी माताओं को शासन की योजनाओं का लाभ समय पर मिले, इसके लिए मैदानी अमला सतत निगरानी एवं अनुषंगण सुनिश्चित करे। उन्होंने आंगनवाड़ी केन्द्र की व्यवस्थाओं में तत्काल सुधार लाने तथा शासन द्वारा निर्धारित सभी सेवाएं प्रारंभ कर दिताग्रहियों तक समय पर पहुंचाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत संघप्रिय उपस्थित रहे।

सेवा सेतु मेगा शिविरों के माध्यम से सरकार आपके द्वार का संकल्प हुआ साकार

A group of people, including a woman in a red sari, a man in a white kurta holding a baby, and a man in a yellow kurta, standing together in front of a banner.

प्रदान करना रहा। जनपद पंचायत
बैठन सभागार में आयोजित सेवा
सेतु शिविर में सिंगरौली विधानसभा
क्षेत्र के विधायक रामनिवास शाह,
नगर पालिक निगम सिंगरौली के
अध्यक्ष देवेश पाण्डेय एवं जिला

उप उपाध्यक्ष श्रीमती अर्चना
की गरिमामय उपस्थिति रही
में विभिन्न विभागों द्वारा
लगाए गए, जहाँ नागरिकों से
प्राप्त कर पात्रतानुसार सेवाएँ
योजनाओं का लाभ पदान विद्य

सिंगरौली। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से यातायात पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को सरस्वती स्कूल बिलौंजी में यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम अथना प्रभारी यातायात ने छात्र छात्राओं और स्कूल स्टाफ को सड़क सुरक्षा के नियमों व जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक पिपियाऊ केएम के निर्देश तत् अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सर्वप्रिय सिन्हा और नगर पुलिस अधीक्षक रमेश कुमार के मार्गदर्श में यह अभियान संचालित किया रहा है।

सिंगरौली। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से यातायात पुलिस द्वारा विशेष से यातायात चलाया रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को सस्वती स्कूल बिलौंजी यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अन्तर्गत यातायात ने छात्र छात्राओं और स्कूल स्टाफ को सड़क सुरक्षा के नियमों व जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक पिण्डाज केएम के निर्देश तत् अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सर्वप्रिय सिन्हा और नगर पुलिस अधीक्षक रमेश कुमार के मार्गदर्श में यह अभियान संचालित किया रहा है।

सिंगरौली। संकल्प से सेवा अभियान के तहत नगर पालिक निगम क्षेत्र में 4 अक्टूबर को सेवा सेतु शिविरों का आयोजन किया जाएगा। शिविर प्रातः 10 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित होंगे। इनका उद्देश्य नागरिकों को शासन की विभिन्न हितप्राहीमूलक योजनाओं और नागरिक सेवाओं का लाभ सुगमता से उपलब्ध



आयोजित होगा। नगर निगम आयुक्त श्रीमती सविता प्रधान ने अधिकारियों को शिविरों की सभी तैयारियाँ समय पर पूरी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने नागरिकों को योजनाओं का लाभ दिलाने के साथ आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करने को कहा। टी.कमिशन आपसी बेस ने रियों एवं कर्मचारियों को त समय पर शिविर स्थल पर त रहकर दिायत्वों का करने के निर्देश दिए हैं। सहायक यंत्री, उपयंत्री मारी, कंप्यूटर ऑपरेटर और सदस्य मौजूद रहेंगे।

अपूर्ण दस्तावेज शीघ्र
पूरा कर प्रस्तुत
करने के निर्देश,
पुलिसकर्मियों से
संवाद कर कर्तव्य के
प्रति सजग रहने की
दी नसीहत

सिंगरौली। पुलिस अधीक्षकका प्रियाज के.एम. ने शनिवार के दौरान चौकी बरका का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने चौकी के पुलिससिग व्यवस्था, कार्यप्रणाली, संभारित अभिलेखों और संभारित संजों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के कुछ दस्तावेज एवं अभिलेख अपूर्ण पाए जाने पर एसपी ने नाराजगी व्यक्त की। जाता और संबंधित अधिकारी कर्मचारियों को आवश्यक पूर्तिपर्याप्त



श्रीधर पूरा की नियमानुसार प्रस्तुत करने के सख्त निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पुलिस कार्यप्रणाली में अभिलेखों का व्यवस्थित, अद्यतन और समयबद्ध संभारण बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने स्पष्ट किया कि दस्तावेजों के रखरखाव में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। सभी अधिकारी और कर्मचारी अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करते हुए

निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार अभिलेख पूर्ण एवं अद्यतन रखें। निरीक्षण के दौरान एसपी ने चौकी के तैनात पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों से संवात किया। उन्होंने उन पुलिसकर्मियों से संबंधी जानकारी लेने के उनकी समस्याओं पर भी चर्चा साथ ही उनका मनोबल बढ़ाते अशुशासन, सतर्कता और देहरी के साथ झूट्टी करने जनसेवा को प्राथमिकता देने पर प्रोत्साहित किया। औचक के दौरान एसपी ने चौकी पर मातृ व्यवस्था का जायजा लेते प्रभावोत्पत्ति सुनिश्चित के लिए आवश्यक दिशा- दिए।

चालक को गंभीर चोट, ट्रामा सेंटर में इलाज जारी; हाइड्रा की मदद से नदी से निकाला गया वाहन

सिंगरौली

सासन से बैदुन की ओर आ रहा एक स्कॉर्पियो शुक्रवार देर रात मयार नदी में अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में वाहन सवार चार कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। इनमें चालक को गंभीर चोट लगने के कारण जिला अस्पताल स्थित ट्रामा सेंटर में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद शनिवार को हाइड्रा की मदद से स्कॉर्पियो को भी नदी से बाहर निकाल लिया गया।

बताया गया कि कर्मचारी पिक्कर देखने के बाद खाना खाते के लिए गए थे। इसके बाद एन.ए. कर्मचारी को छोड़ने के लिए



स्कॉर्पियो से जा रह थे। इसी दौरान सामने से अचानक बाइक आ गई। बाइक सवार को बचाने के प्रयास में चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया और स्कॉर्पियो मथारा नदी में जा गिरा। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों की मदद से वाहन सवारों को बाहर निकाला गया। संविदाकार अमितेश सिंह और जितेन्द्र कुशवाहा के अनुसार, स्कॉर्पियो में चार कर्मचारी सवार थे। तीन कर्मचारी सुरक्षित हैं, जबकि एक कर्मचारी को चोट आई है। गंभीर चोट के चलते उसे

ट्यूमा सेंटर में उपचार के लिए ले जाया गया। शनिवार को हाइड्रा की सहायता से स्कोर्पियो को भी नदी से बाहर निकाल लिया गया। हादसे के बाद स्कोर्पियो में शराब परिवहन किए जाने की चर्चाएं भी सामने आई थीं। हालांकि स्पष्टीदाकार अमितेश सिंह और जितेन्द्र कुशवाहा ने इन आरोपों को पूरी तरह निराधार बताया है। उनका कहना है कि वाहन से किसी भी प्रकार की अवैध सामग्री नहीं मिली है। अमितेश सिंह ने बताया कि 2 अक्टूबर को जिला प्रशासन की ओर से शुद्ध दिवस घोषित किया गया था। इस दौरान सभी शराब दुकानें बंद थीं। ऐसे में सड़क से शराब परिवहन किए जाने का संभावना ही नहीं उठता। उन्होंने कहा

कि वाहन को बाहर निकालने के बाद उसमें किसी भी प्रकार की अवैध सामग्री नहीं मिली है। जितनेदू कुशवाहा ने भी कहा कि शराब परिवहन के लगाए जा रहे आरोप निराधार हैं। फिलहाल प्राथमिकता घायल कर्मचारी का समुचित उपचार कराना और हादसे में क्षतिग्रस्त वाहन को बाहर निकलवाना था। उन्होंने कहा कि पुलिस अपने स्तर पर उपलब्ध तथ्यों के आधार पर पूरे मामले की जांच करेगी। पुलिस जांच के बाद ही हादसे की वास्तविक परिस्थितियों और वाहन में किसी प्रकारबिध सामग्री की मौजूदगी अथवा अनुपस्थिति की आधिकारिक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

है। अभियान में कचरा हटाने, सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ रखने, हरियाली बढ़ाने, जल स्रोतों की स्वच्छता बनाए रखने और प्लास्टिक के उपयोग को कम करने जैसे विषयों पर जागरूकता को प्राथमिकता दी जा रही है। युवाओं, विद्यार्थियों, सामाजिक संगठनों, व्यापारियों और शहर के नागरिकों से अभियान से जुड़ने तथा अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की जा रही है। अभियान में सामूहिक नागरिक सहभागिता को केंद्र में रखते हुए स्वच्छता को जन-अभियान का स्वरूप देने का प्रयास किया जा रहा है।

संपादकीय

बुलंदशहर मामला- कठघरे में उत्तर प्रदेश पुलिस की साख

अदालत ने मामलों को संभालने के तौर-तरीकों पर सवाल उठाते हुए कहा कि ऐसी स्थिति में जनता पुलिस पर भरोसा कैसे करे।उत्तर प्रदेश में बुलंदशहर के एक मामले में सुप्रीम कोर्ट की नाराजगी को सिर्फ पुलिसिया चूक पर टिप्पणी मान कर टाल देना एक बड़े सवाल की अनदेखी होगी। बुधवार को शीर्ष अदालत ने जिस तरह प्राथमिकी, जांच और पुलिस के हलफनामे पर सवाल उठाए, उससे राज्य की पुलिस की कार्यशैली और विश्वसनीयता को लेकर चिंताजनक सवाल उभरते हैं।सवाल यह है कि जिस मोटरसाइकिल सवार को घटनास्थल पर पकड़ने की बात स्वीकारी गई, प्राथमिकी में उसे 'अज्ञात' कैसे और क्यों बताया गया। बाद के हलफनामे में उसका नाम सामने आया। अदालत ने इसी विसंगति पर सशरीकरण मांगा। पुलिस के हलफनामे को पीठ ने पूरी तरह प्रभावहीन बताया।सवाल केवल प्राथमिकी में नाम दर्ज करने तक सीमित नहीं है। किसी भी मामले में प्राथमिकी दरअसल जांच की वह पहली कड़ी होती है, जिस पर आगे की कार्रवाई टिकी होती है। मगर जब उसी में तथ्य सुविधा के मुताबिक जोड़े या घटाए जाने की कोशिश हो, तो जांच की निष्पक्षता पर सवाल उठेंगे।अदालत ने मामलों को संभालने के तौर-तरीकों पर सवाल उठाते हुए कहा कि ऐसी स्थिति में जनता पुलिस पर भरोसा कैसे करे। यहां तक कि अदालत ने सभी जांच में सीबीआइ को शामिल करने और राज्य पुलिस को खत्म करने तक की संभावना का उल्लेख किया। भले ही यह कोई आदेश नहीं, अदालत की मौखिक टिप्पणी है, फिर भी इसकी गंभीरता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।यह एक तरह से राज्य पुलिस की मंशा और क्षमता पर सवालिया निशान है। पुलिस के पास कानून लागू करने की असधारण शक्ति होती है। इसलिए उससे अपने दायित्वों का निर्वाह और कार्यशैली में पारदर्शिता तथा जवाबदेही की अपेक्षा भी स्वाभाविक है।उसकी साख नागरिक के इस भरोसे से बनती है कि कानून सबके लिए एक समान है। मगर पिछले काफी समय से विभिन्न मामलों में उत्तर प्रेश पुलिस की कार्यशैली में अप्रह्र के मुताबिक रुख अपनाने पर सवाल उठते रहे हैं।ऐसे में बुलंदशहर की घटना के संदर्भ में शीर्ष अदालत की टिप्पणी और नाराजगी व्यापक पैमाने पर पसरी लपटावही के बीच पुलिस की जांच-पड़ति में ईमानदारी और जवाबदेही सुनिश्चित किए जाने के तकाजे को रेखांकित करती है।

हाईटेक होते वृद्धाश्रम और बेदखल होता बुढ़ापा

(अशोक भाटिया)

इस संकट की जड़ें हमारे सामाजिक और पारिवारिक ढांचे में आए गहरे बिखराव से जुड़ी हुई हैं। भारत की पहचान सदियों से संयुक्त परिवार की उस व्यवस्था से रही है, जहां बुजुर्गों को घर का 'बराद' माना जाता था, जिनकी छत्रछाया में पूरी गोत्र और पीढ़ियां खुद को सुरक्षित महसूस करती थीं।

पुणे के समीप संचालित एक आधुनिक वृद्धाश्रम में जब एक बेसहारा बुजुर्ग के दाखिले के लिए संपर्क किया गया, तो वहां का मासिक शुल्क पचास हजार रुपये बताया गया। यह केवल एक आर्थिक आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह हमारे समकालीन समाज के बदलते चरित्र, नैतिक पतन और बुजुर्गों के प्रति संवेदनहीनता का एक भयावह दस्तावेज है। भारत जैसे विकासशील देश में, जहां एक आम कामकाजी नागरिक या सेवानिवृत्त व्यक्ति की पूरी मासिक आय भी अक्सर इस आंकड़े तक नहीं पहुंच पाती, वहां बुढ़ापे की शरणस्थली का इतना खर्चीला होना एक गंभीर सामाजिक संकट की ओर इशारा करता है। यह इस कड़वी हकीकत को उजागर करता है कि जो वृद्धाश्रम कभी करुणा, सेवा और निस्वार्थ आश्रय के पवित्र केंद्र हुआ करते थे, वे अब कॉर्पोरेट शैली के आलीशान रिसॉर्ट्स और फाइव स्टार होटलों में तब्दील हो चुके हैं। जब जीवन के अंतिम पड़ाव पर मिलने वाली सुरक्षा और गरिमा भी पूरी तरह से बाजारवाद की वस्तु बन जाए, तो समाज के गरीब, निम्न-मध्यमवर्गीय और सर्वहारा बुजुर्गों के जीवित रहने

की उम्मीदें ही दम तोड़ने लगती हैं। यह स्थिति इस बुनियादी लोकतांत्रिक और मानवीय सवाल को जन्म देती है कि क्या सम्मान से जीने और शांति से मरने का अधिकार केवल समाज के धनाढ्य वर्ग तक ही सीमित रह गया है?

इस संकट की जड़ें हमारे सामाजिक और पारिवारिक ढांचे में आए गहरे बिखराव से जुड़ी हुई हैं। भारत की पहचान सदियों से संयुक्त परिवार की उस व्यवस्था से रही है, जहां बुजुर्गों को घर का बराद माना जाता था, जिनकी छत्रछाया में पूरी गोत्र और पीढ़ियां खुद को सुरक्षित महसूस करती थीं। लेकिन वैश्वीकरण, तीव्र शहरीकरण और आधुनिक जीवनशैली की अंधी दौड़ ने इस पारंपरिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न कर दिया है। आज की युवा पीढ़ी रोजगार, करियर और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की तलाश में महानगरों या सुदूर विदेशों की ओर पलायन कर रही है, जहां उनके जीवन में माता-पिता के लिए स्थान संकुचित होता जा रहा है। कई मामलों में तो युवा दंपति बुजुर्गों को अपने साथ रखना एक अनुपयुक्त बोझ समझने लगते हैं। इसी पारिवारिक अलगाव और सामाजिक लाचारी को आज कॉर्पोरेट जगत ने एक बहुत बड़े व्यावसायिक अवसर के रूप में पहचान लिया है। अब इन संस्थानों को वृद्धाश्रम जैसे पारंपरिक और संवेदनशील नामों के बजाय सीनियर लिविंग सोसाइटीज, सिव्जर होम्स या रिटायरमेंट रिसॉर्ट्स जैसे आकर्षक और भ्रामक नामों से प्रचारित किया जा रहा है, ताकि समाज में बुजुर्गों को छोड़ने के

अपराध बोध को एक स्टेटस सिंबल में बदला जा सके।

महीने के पचास हजार रुपये या उससे अधिक की भारी-भरकम राशि वसूलने वाले ये हाईटेक आश्रम अपने विज्ञापनों में वातानुकूलित कमरों, आलीशान आंतरिक सज्जा, चौबीस घंटे वाई-फाई, आधुनिक जिम, स्विमिंग पूल, क्लब हाउस और कस्टमाइज्ड डाइट प्लान जैसी सुख-सुविधाओं का बहु-चट्कर दावा करते हैं। यह पूरा परिदृश्य बाहर से देखने पर अत्यंत आकर्षक और किसी पर्यटन स्थल जैसा प्रतीत हो सकता है, परंतु गहराई से विचार करने पर इसकी खोखली और वीरान प्रकृति साफ दिखाई देती है। जीवन के सांध्यकाल में पहुंचे, अपनों से उपेक्षित और अकेलेपन से जूझ रहे किसी बुजुर्ग को बुढ़ापे में इन कृत्रिम और यांत्रिक सुख-सुविधाओं की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि उन्हें दो पल के सच्चे प्यार, अपनों के साथ संवाद और मानसिक संबल की दरकार होती है। इन कॉर्पोरेट संस्थानों ने सुख और विलासिता के साधन तो ऊंचे दामों पर बेच दिए, लेकिन वे उस मानवीय अपनत्व और मानसिक शांति को नहीं बेच पाए जो केवल एक परिवार के भीतर ही संभव है। यह एक ऐसी विडंबना है जहां बुजुर्गों के पास सोने के लिए मखमली बिस्तर तो मौजूद है, लेकिन उस पर चैन की नींद सोने के लिए जरूरी पारिवारिक स्नेह और मानसिक संतोष पूरी तरह नदारद है।

इस पूरे परिदृश्य का सबसे मार्मिक और चिंताजनक पहलू यह है कि इस नई व्यवस्था ने देश के गरीब और मध्यम वर्ग के बुजुर्गों को पूरी तरह

से हाशिए पर धकेल दिया है। भारत की एक बहुत बड़ी आबादी आज भी असंगठित क्षेत्रों में दिहाड़ी मजदूरी या छोटे-मोटे काम करके अपना जीवन यापन करती है, जिनके पास न तो भविष्य के लिए कोई बड़ी जमापूंजी होती है और न ही बुढ़ापे को सुरक्षित करने के लिए कोई सरकारी पेंशन। यदि ऐसे परिवारों में संतानों द्वारा माता-पिता का परित्याग कर दिया जाए, तो वे इन महंगे आश्रमों की चौखट तक लांघने की कल्पना भी नहीं कर सकते। परिणामस्वरूप, ऐसे बेसहारा वृद्ध सड़कों पर, रेलवे स्टेशनों पर या धार्मिक स्थलों के बाहर अत्यंत दयनीय परिस्थितियों में भीख मांगने या लावारिस मौत मरने को मजबूर हो जाते हैं। दूसरी ओर, देश की विशाल जनसंख्या के अनुपात में सरकारी वृद्धाश्रमों की संख्या नागण्य है, और जो गिने-चुने मुभत या चैरिटेबल आश्रम संचालित भी हो रहे हैं, उनमें से अधिकांश की स्थिति इतनी जर्जर और अमानवीय है कि वहां बुनियादी स्वच्छता, शुद्ध पेयजल और न्यूनतम चिकित्सा सुविधाओं का भी घोर अभाव रहता है। ऐसे में देश के निर्धन बुजुर्गों के लिए बुढ़ापा एक अभिशाप और अंतहीन यातना का पर्याय बन चुका है।

यद्यपि भारत सरकार ने बुजुर्गों के अधिकारों और उनके भरण-पोषण की रक्षा के लिए माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम, 2007 जैसा कड़ा कानून बनाया है, जिसके तहत संतानों के लिए अपने वृद्ध माता-पिता की देखभाल करना कानूनी रूप से अनिवार्य है।

आज का राशिफल



मेष

आज सुख साधनों की प्राप्ति होगी।दिन सुखद रहेगा।

आप परिवार के साथ वक्त बिता पाएंगे और कहीं फैमिली ट्रिप का भी प्लान बन सकता है।आपको भाईबहनों से सहयोग मिलेगा। कोई पारिवारिक काम आपका निपट सकता है जिसके लिए आप लंबे समय से प्रयास कर रहे हैं।



मिथुन

आज भावनात्मक उथल-पुथल वाला दिन है।आज भावनात्मक रूप से उथल-पुथल वाला रहेगा।मन में आपके कई तरह के विचार आकर उलझाएंगे लेकिन आपको संयम से काम लेना होगा।आपको कई तरह के पैंडिंग काम निपटाने होंगे।किसी धार्मिक यात्रा का भी संयोग बन सकता है।



सिंह

आज आपको मानसिक उलझन हो सकती है।दिन सामान्य रहेगा।दिन की शुरुआत में सुस्ती रहेगी और मन आपका कई तरह के विचारों में खोया रहेगा।नौकरी में आपका दिन प्लानिंग और प्रबंधन के अभाव में उलझ सकता है इसलिए काम पर फोकस बनाकर रखना होगा।कुछ अनचाहे खर्च भी हो सकते हैं।



वृष

आज नया और रोमांचक काम कर सकते हैं।आपका पारिवारिक जीवन प्रेमपूर्ण रहेगा।कला संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा।कोई चाहत भी आपकी पूरी होगी।आप कुछ नया और रोमांचक काम कर सकते हैं।किसी धार्मिक अथवा सामाजिक काम में भाग लेने का संयोग बन सकता है।विरोधी और शत्रु भी आपके किसी काम की तारीफ कर सकते हैं।



कर्क

आज अनचाहा खर्च करना पड़ सकता है।आपको किसी उपकरण और सुख साधनों पर अनचाहा खर्च करना पड़ सकता है।आर्थिक लाभ सामान्य रहेगा।बिजनेस में आपको प्रतिबद्धियों से चुनौती मिल सकती है, अपने काम के साथ विरोधियों पर भी नजर बनाए रखें।



कन्या

आज,बुद्धि अनुभव का लाभ मिलेगा।दिन आर्थिक रूप से लाभदायक रहेगा।आपको उपहार की भी प्राप्ति हो सकती है।आप अपने लिए कुछ खरीदारी कर सकते हैं।बुद्धि और अनुभव का भी आपको फायदा मिलेगा।वैवाहिक जीवन सुखद रहेगा।



तुला

आज पड़ोसियों से तालमेल और सहयोग बढ़ेगा।आज प्रसर रहेगे।आपको अपनी रुचि के अनुसार काम करने का मौका मिलेगा।किसी बात को लेकर आप ज़िद भी करेंगे, आपका व्यवहार आपके अपनों को हैरान कर सकता है।पड़ोसियों से तालमेल और सहयोग बढ़ेगा।आपके घर आज किसी मेहमान का भी आगमन हो सकता है।



धनु

आज,आर्थिक मामलों में भाग्य का साथ मिलेगा।आज का दिन अनुकूल रहेगा।बीते दिनों की चिंता और तनाव का समाधान मिलेगा।परिवार का सहयोग बना रहेगा।आर्थिक मामलों में भाग्य का साथ भी आपको प्राप्त होगा।किसी पुराने मित्र या सगे संबंधी से मिलने का भी संयोग बनेगा।



कुंभ

आज भौतिक सुख साधनों की प्राप्ति होगी।आज का दिन रोमांटिक रहेगा।जीवनसाथी के साथ आपको सुखद और प्रेमपूर्ण समय बिताने का मौका मिलेगा।आप अपने लिए कुछ भौतिक सुख साधनों की भी खरीदारी कर सकते हैं।आपको कल अपने कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों से सहयोग मिलेगा।



वृश्चिक

आज,आपके खर्च में वृद्धि हो सकती है।दिन मानसिक उलझन भरा रहेगा।आपके खर्च में वृद्धि हो सकती है।संकेत के प्रति भी आपको ध्यान रखना होगा, सिरदर्द और मानसिक तनाव का भी आपको सामना करना पड़ सकता है।आपकी कमाई सामान्य रूप से बनी रहेगी।



मकर

आज अप्रत्याशित खर्च का सामना करना पड़ सकता है।दिन सामाजिक मामलों में सक्रियता बढ़ाने वाला रहेगा।आपके काम में गति बनी रहेगी।परिवार से आपको सहयोग मिलेगा।जीवनसाथी के साथ कहीं धूमने की योजना बन सकती है।कुछ अनचाहे और अप्रत्याशित खर्च होने से थोड़ी चिंता भी होने की आशंका है।



मीन

आज नया काम और जिम्मेदारी मिल सकती है।दिन मानसिक उलझन भरा रहेगा।आपको किसी विषय में निर्णय लेने में परेशानी हो सकती है।संतान संबंधी विषयों को लेकर भी चिंता रह सकती है।संकेत के मामले में भी आपको अपना ध्यान रखना चाहिए।



प्रतिनिधि की भूमिका ही अपने हाथ में ले लेता है। पति अधिकारियों से मिलने लगे, पंचायत की बैठकों में महिला की जगह बैठने लगे, फैसले खुद लेने लगे और पंचायत से जुड़े लोग भी उसी को वास्तविक प्रतिनिधि मानने लगे, तो यह परिवार की सहायता नहीं, निर्वाचित अधिकार का अतिक्रमण है।

परिवार के भीतर सत्ता संबंध हमेशा बराबरी के नहीं होते। अनेक मामलों में महिलाएं आर्थिक और सामाजिक रूप से पति या परिवार के दूसरे सदस्यों पर निर्भर होती हैं। गांव में पुरुष रिश्तेदार का प्रभाव भी अधिक हो सकता है। ऐसे में किसी महिला के लिए पति, ससुर या पुत्र को यह कहना कि पंचायत का काम वह स्वयं देखेगा, उतना सरल नहीं होता जितना बाहर से दिखता है। इसलिए महिला के नाम पर पुरुष द्वारा पंचायत चलाने की समस्या को केवल महिला की इच्छा या उसकी प्रशासनिक क्षमता का प्रश्न मानना अधूरा होगा।

यदि निर्वाचित महिला की जगह उसका पति या कोई पुरुष रिश्तेदार पंचायत की बैठक में मौजूद रहता है, तो क्या केवल महिला को दंडित करना न्यायसंगत होगा? मध्य प्रदेश में कुछ वर्ष पहले महिला सरपंचों और पंचों की जगह उनके पति या दूसरे परिवजनों के पंचायत बैठकों में शामिल होने पर रोक लगाने के लिए प्रशासनिक आदेश जारी किया गया था।

ऐसे मामलों में महिला प्रतिनिधि के विरुद्ध कार्रवाई का प्रावधान चर्चा में आया। मगर प्रश्न यह है कि यदि निर्वाचित महिला की जगह रिश्तेदार पुरुष पद का इस्तेमाल कर रहा है, तो जवाबदेही का केंद्र वही पुरुष क्यों न बने?

मान लिया जाए कि किसी महिला को स्वतंत्र रूप से पंचायत का कार्य करने नहीं दिया जा रहा। परिवार का कोई पुरुष सदस्य उसके स्थान पर फैसले कर रहा है और महिला आर्थिक या सामाजिक दबाव के कारण उसका विरोध नहीं कर पा रही। ऐसी स्थिति में उसे पद से हटाने की चेतावनी उसकी स्थिति को मजबूत करेगी या कमजोर? यदि समस्या ही यह है कि उसके निर्वाचित अधिकार पर किसी दूसरे का कब्जा है, तो समाधान उस महिला को सार्वजनिक जीवन से बाहर करना नहीं, बल्कि उसके अधिकार को सुरक्षित करना होना चाहिए।

महिला आरक्षण का उद्देश्य पंचायत की कुर्सी पर केवल महिला का नाम दर्ज कराना नहीं था। इसका मकसद निर्णय प्रक्रिया में महिलाओं की वास्तविक भागीदारी सुनिश्चित करना था। इसलिए निर्वाचित महिला की जगह कोई पुरुष पंचायत चला रहा हो तो प्रशासन की जिम्मेदारी केवल यह पता लगाने तक सीमित नहीं हो सकती कि नियम टूटा या नहीं। उसे यह भी सुनिश्चित करना होगा कि निर्वाचित प्रतिनिधि अपने संवैधानिक और वैधानिक अधिकारों का

इस्तेमाल कर सके।

यहां कानून के साथ सामाजिक मानसिकता का सवाल भी जुड़ा है। कई जगह महिला के निर्वाचित होने के बाद भी परिवार और गांव का व्यवहार ऐसा होता है, मानो वास्तविक प्रतिनिधि उसका पति ही हो। अधिकारी अनौपचारिक रूप से उसी से बात करने लगते हैं। पंचायत से जुड़े ठेकेदार और दूसरे प्रभावशाली लोग भी उसी पुरुष को निर्णयकर्ता मान लेते हैं। गांव के लोग अपनी समस्याएं लेकर महिला के बजाय उसके पति के पास पहुंचते हैं। इस तरह धीरे-धीरे एक ऐसी समांतर व्यवस्था बन जाती है, जिसमें पद महिला का होता है और अधिकार पुरुष का।

फिर भी महिला आरक्षण की उपलब्धियों को केवल ऐसी विसंगतियों के आधार पर खारिज नहीं किया जा सकता। अनेक महिला प्रतिनिधियों ने पंचायत व्यवस्था को समझा, प्रशासनिक प्रक्रियाएं सीखीं और स्वतंत्र निर्णय लिए हैं। उन्होंने पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, सड़कों और दूसरी बुनियादी सुविधाओं को स्थानीय प्राथमिकताओं में जगह दी है। इससे स्पष्ट होता है कि समस्या महिलाओं की क्षमता की नहीं, बल्कि उन्हें उपलब्ध निर्णय की स्वतंत्रता की है।

इसलिए महिला प्रतिनिधियों के काम का मूल्यांकन उनके फैसलों और पंचायत के कामकाज से होना चाहिए, न कि इस आधार पर कि वे महिला हैं। यदि कोई निर्वाचित प्रतिनिधि ग्रामसभा में स्वयं अपनी बात रखती है, अधिकारियों से सवाल करती है, योजनाओं को समझती है और गांव की प्राथमिकताएं तय करती है, तो यही लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व की वास्तविक कसौटी है।

राजस्थान में भावी पंचायत चुनावों के बाद हजारों महिलाएं स्थानीय शासन की जिम्मेदारी संभालेंगी। तब महिला प्रतिनिधित्व का आंकड़ा निश्चित रूप से महत्वपूर्ण होगा, लेकिन उससे भी महत्वपूर्ण यह देखना होगा कि कितनी महिलाएं ग्रामसभा में स्वयं बोलती हैं, कितनी अधिकारियों से सीधे संवाद करती हैं, कितनी अपने गांव की प्रथमिकताएं तय करती हैं और कितनी अपने नाम पर चल रही किसी दूसरी सत्ता के साएं में खड़ी रह जाती हैं।

आरक्षण ने महिलाओं के लिए पंचायत के दरवाजे खोल

1	2	3		4	5		6
7				8			
		9	10				
			11			12	
		13			14		
	15						
18				19			20
21						22	

संकेत: बाएं से दाएं

- केवल महिलाओं हेतु विश्व का सबसे बड़ा विश्व विद्यालय इस देश में स्थपित है (6)
- उक्तलहट, बैचन, मनोरंजनहीन (2)
- याराखी मुगल सम्राट अकबर द्वारा चलाया धर्म (6)
- क्षेत्रफल, अहाल (3)
- सचन वायु, अल्मरस हवा, बहती हवा (3)
- स्वार्थ, खुदगर्ज (4)
- यह मुंशी गेमबर्ग की प्रसिद्ध कृति है जिस पर फिल्म (1966) निर्माण हुआ है (3)
- सारी दुनिया का उलट-पलट (4)
- भरोसा, विश्वास, यकीन (4)
- किसी वस्तु, जगह आदि के अंतर (अंशजी)(2)
- बतौर नायक-नायिका यह ऋषि कपूर-डिंपल कपाड़िया की पहली फिल्म थी (2)
- यह ब्रिटेन देश का राष्ट्रीय पुष्प है, इसे अंग्रेजी में रोज कहते है (3)
- चैत्र माह की फसल (2)
- बलिदत्त, जिसे युद्ध में प्राण त्याग दिए हों (3)
- जितना समय लगना चाहिए उससे अधिक समय, विलंब (2)
- पैंगवर्ग, शिशु, रसूल (2)
- तुषार पात, अंतरिक्ष यान (2)
- तुषार की यह राजधानी है (3)
- वर्ष, कलाना, नीरद (3)
- उपर से नीचे
- तटवर्ती प्रवाहहीन जल (3)

तर्ग पहली 6231 का हल

र	वी	न्द्र	न	व	टे	गो	र
व	र	घ	ल	क		म	
न	ग	ल्हे	क	ल	घ	क	
	क्षि	न		ते	ठ		
मे			स	म	का	ली	न
घ	व	व	न	का	क्षि	ल	
दू	न	त	ल	त	धि		
त	व	न	व	ल			

सेवा सेतु शिविर में हितग्राहियों को मिला शासकीय योजनाओं का लाभ

सांसद श्री गणेश सिंह एवं विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी की उपस्थिति में जनपद पंचायत मैहर में आयोजित हुआ सेवा सेतु शिविर

मैहर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जनपद पंचायत मैहर में सेवा सेतु शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर नागरिकों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी दी गई तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का हितलाभ प्रदान किया गया। शिविर में सांसद श्री गणेश सिंह, विधायक श्री श्रीकांत चतुर्वेदी, कलेक्टर श्रीमती बिदिशा मुखर्जी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री रामखेलावन कोल, एडीएम श्री रोशन राय, श्री कमलेश सुह्राने, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती जयंती तिवारी एवं श्रीमती तारा पटेल, जनपद उपाध्यक्ष श्री विकास त्रिपाठी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सांसद श्री गणेश सिंह ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित सेवा सेतु



शिविर का उद्देश्य शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना है। शिविर के माध्यम से प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, लाडली लक्ष्मी योजना, संबल योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, सॉइल हेल्थ कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड सहित विभिन्न

योजनाओं के हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा रहा है। साथ ही ऐसे पात्र नागरिकों की पहचान कर उनके आवेदन लिए जा रहे हैं, जो किसी कारणवश योजनाओं के लाभ से वंचित रह गए हैं।

विधायक श्री श्रीकांत चतुर्वेदी ने कहा कि सेवा सेतु शिविर का उद्देश्य नागरिकों को शासकीय योजनाओं के साथ-साथ विभिन्न सेवाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना है।

शिविर में राजस्व विभाग से संबंधित बंटवारा, नामांतरण एवं सीमांकन सहित अन्य प्रकरणों के निराकरण की कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने कहा कि योजनाओं का लाभ प्राप्त कर चुके हितग्राहियों की जानकारी संकलित की जा रही है तथा छूटे हुए पात्र हितग्राहियों से आवेदन प्राप्त कर उन्हें योजनाओं से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है।

सांसद श्री सिंह, विधायक श्री चतुर्वेदी एवं कलेक्टर श्रीमती मुखर्जी ने सेवा सेतु शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, लाडली लक्ष्मी योजना, संबल योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना एवं प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि सहित अन्य योजनाओं के हितग्राहियों से चर्चा

कर योजनाओं से मिल रहे लाभ की जानकारी ली विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों के माध्यम से अधिकारियों द्वारा नागरिकों को योजनाओं की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया एवं उपलब्ध सेवाओं की जानकारी भी प्रदान की गई।

सेवा सेतु शिविर में आजीविका मिशन, लाडली बहना योजना एवं लखपति दीदी सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए गए। शिविर में शासन की योजनाओं के लाभ प्राप्त हितग्राहियों द्वारा उनके जीवन में आए सकारात्मक परिवर्तन की कहानी भी बताई गई। सेवा सेतु शिविर के माध्यम से शासन की योजनाओं एवं सेवाओं को नागरिकों तक पहुंचाने के साथ ही पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से जोड़ने और उनकी समस्याओं के त्वरित निराकरण की दिशा में कार्य किया गया।

मैहर गौरव दिवस पर 3 हजार से अधिक विद्यार्थी रचेंगे सामूहिक कथक नृत्य का इतिहास



मैहर 05 अक्टूबर को आयोजित होने वाले मैहर गौरव दिवस के अवसर पर मैहर का नाम एशियन वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज कराने के उद्देश्य से 3 हजार से अधिक विद्यालयीन छात्र-छात्राओं द्वारा सामूहिक कथक नृत्य प्रस्तुत किया जाएगा। इस आयोजन की तैयारियों के तहत विद्यार्थियों ने सामूहिक कथक नृत्य का रिहर्सल शनिवार को किया गया। सामूहिक कथक नृत्य के रिहर्सल कार्यक्रम में विधायक श्री श्रीकांत चतुर्वेदी एवं अपर कलेक्टर श्री रोशन राय की उपस्थिति रही।

इस दौरान विद्यार्थियों ने निर्धारित ताल, लय और मुद्राओं के साथ सामूहिक रूप से कथक विद्यालयीन छात्र-छात्राओं द्वारा सामूहिक कथक नृत्य प्रस्तुत किया जाएगा। इस आयोजन की तैयारियों के तहत विद्यार्थियों ने सामूहिक कथक नृत्य का रिहर्सल शनिवार को किया गया। सामूहिक कथक

कथक नृत्य का आयोजन करना है। 05 अक्टूबर को प्रातः 10 बजे मैहर गौरव दिवस के अवसर पर होने वाले इस आयोजन को लेकर विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं आयोजन से जुड़े लोगों में उत्साह देखा गया। आयोजन को सफल बनाने के लिए रिहर्सल एवं अन्य तैयारियां लगातार जारी हैं। समस्त नागरिकों से अपील है कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंच कर इस ऐतिहासिक पल के सहभागी बनें और कार्यक्रम को सफल बनाएं।

सेवा मेरा योगदान अंतर्गत जनपद पंचायत मैहर में स्वास्थ्य शिविर आयोजित



मैहर। सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत 'सेवा मेरा योगदान' कार्यक्रम के तहत जनपद पंचायत मैहर में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। शिविर का उद्देश्य ग्रामीण एवं नागरिकों को स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना तथा लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना

स्वास्थ्य शिविर में सिविल अस्पताल मैहर के चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा उपस्थित नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के संबंध में आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया गया तथा जरूरत के

अनुसार उपचार एवं स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराईं और दवाइयों का वितरण निशुल्क किया गया। स्वास्थ्य कर्मियों ने नागरिकों को नियमित स्वास्थ्य जांच, संतुलित आहार एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के संबंध में भी जानकारी दी। शिविर में 90 से अधिक नागरिकों, मीडिया प्रतिनिधियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

'सेवा मेरा योगदान' के माध्यम से सेवा संकल्प अभियान में जनभागीदारी को बढ़ावा देते हुए स्वास्थ्य सहित विभिन्न क्षेत्रों में जरूरतमंदों तक सेवाएं पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से बदली खेती की तस्वीर, बढ़ी आत्मनिर्भरता की राह

मैहर। अमरपाटन जनपद के ग्राम रकवार के निवासी श्री पटेल ने कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ मिला रहा है। इससे पहले वे पारंपरिक तरीके से खेती करते थे, जिसके कारण खेती में लागत और आर्थिक चुनौतियां अधिक थीं। किसान सम्मान निधि की राशि मिलने के बाद उन्होंने इस सहायता का उपयोग खेती को बेहतर बनाने में किया। बाजार से योजनांतर्गत मिली राशि से गुणवत्तापूर्ण बीज खरीदकर उसका उपयोग किया और धीरे-धीरे अपनी खेती का विस्तार किया। पहले जहां वे लगभग 1 एकड़ भूमि में खेती करते थे, वहीं आज बढ़कर 5 एकड़ में खेती कर रहे हैं। किसान श्री पटेल बताते

हैं कि वर्तमान में उनकी खेती से लगभग 2 से 2.5 लाख तक की आय हो रही है। उनके अनुसार, किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं का सही उपयोग किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने और खेती को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि इस सहायता से उन्हें खेती में निवेश करने, उत्पादन बढ़ाने और आत्मनिर्भर किसान बनने की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर मिला है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि ऐसी योजनाओं के माध्यम से हम किसानों को आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है।

साहिलवारा गांव के पास मौत बनकर खड़े ट्रांसफार्मर के पोल

पन्ना, गुन्नौर। अंधेर नगरी चौपट राजा, टके सेर भाजी टके सेर खाजा। यह कहावत इस समय पन्ना जिले की गुन्नौर तहसील के अंतर्गत आने वाले एनएच 943 (नागौद-पर्वई मार्ग) पर पूरी तरह चरितार्थ हो रही है। इस व्यस्त राष्ट्रीय राजमार्ग पर साहिलवारा गांव के पास से महेबा तक विद्युत विभाग की एक ऐसी आत्मघाती लापरवाही सामने आई है, जो कभी भी बड़ी जनहानि का कारण बन सकती है। तकनीकी नियमों को पूरी तरह ताक पर रखकर विभाग के इंजीनियरों ने 33 केवी की हाई-टेंशन लाइन के पोल सड़क के निर्माण दायरे (राइट ऑफ वे) के भीतर ही गाड़ दिए हैं। बिना रिफ्लेक्टर और बिना किसी चेतावनी बोर्ड के सड़क के मुखाने



पर खड़े ये भारी-भरकम खंभे हर पल वाहन चालकों की जिंदगी से खिलवाड़ कर रहे हैं। सड़क सीमा के भीतर खड़े इन

जानलेवा पोलों को लेकर स्थानीय व्यक्तियों और राहगीरों द्वारा कई बार विद्युत विभाग के आला अधिकारियों से व्यक्तित बात की

गई और लिखित शिकायत भी सौंपी गई। लेकिन अफसरशाही का रवैया जस का तस बना हुआ है। मामले की गंभीरता को लेकर जब विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता अशोक निकोसे से फोन पर संपर्क किया गया, तो उन्होंने मौखिक रूप से अन्यत्र जगह न होने का तर्क देकर अपना पल्ल झाड़ लिया। अधिकारी के इस गैर-जिम्मेदाराना जवाब के बाद क्षेत्र की जनता में यह अंदेशा और गहरा गया है कि इस लापरवाही के पीछे कोई बड़ी प्रशासनिक मिलीभगत और सांट-गांठ चल रही है, जिसके कारण तकनीकी रूप से गलत होने के बावजूद लाइन को वहां से शिफ्ट नहीं किया जा रहा है। दिन के उजाले में तो स्थानीय लोग इन खंभों से बचकर निकल

जाते हैं, लेकिन रात के घने अंधेरे और कोहरे के दौरान ये पोल साक्षात काल साबित हो रहे हैं। साहिलवारा गांव के ग्रामीणों का साफ कहना है कि विद्युत विभाग अब पछताए होत क्या, जब चिड़िया चुग गई खेत की नीति पर काम कर रहा है। ऐसा लगता है कि विभाग को किसी बेकसूर की जान जाने का इंतज़ार है, ताकि उसके बाद कागजी खानापूर्ति शुरू की जा सके। यदि समय रहते इन 33 चड़्ड के पोलों को सड़क के दायरे से हटाकर सुरक्षित दूरी पर विस्थापित नहीं किया गया, तो भविष्य में होने वाले किसी भी जानलेवा हादसे की पूरी जवाबदेही विद्युत वितरण कंपनी और उसके लापरवाह आला अधिकारियों की होगी।

स्वामी विवेकानंद आवासीय दिव्यांग संस्थान में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया सेवा मेरा कार्यक्रम

पन्ना। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के पावन अवसर पर श्री राम शिक्षा प्रसार एवं ग्रामीण विकास समाजोत्थान समिति द्वारा संचालित स्वामी विवेकानंद आवासीय दिव्यांग संस्थान में सेवा मेरा योगदान अभियान के तहत एक भव्य और प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान संस्थान परिसर में वृक्षारोपण और स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत विशेष कार्य किए गए।

कार्यक्रम की शुरुआत वृक्षारोपण के साथ हुई, जिसमें संस्थान के सदस्यों, शिक्षकों और विशेष बच्चों ने मिलकर परिसर में नए पौधे रोपे। इसके बाद स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत सभी ने मिलकर श्रमदान किया और परिसर



की साफ-सफाई की। इस पहल का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना और समाज को स्वच्छता का संदेश देना था। इस आयोजन की सबसे बड़ी खासियत स्वामी विवेकानंद आवासीय दिव्यांग संस्थान के बच्चों का उत्साह रहा। बच्चों ने पूरी तन्मयता के साथ पौधों की रोपाई और साफ-सफाई के कार्यों

में अपना योगदान दिया। उनके चेहरों की मुस्कान और उत्साह ने कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगों का मन मोह लिया। संस्थान के प्रबंधकों और उपस्थित अतिथियों ने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में नैतिक मूल्यों, सामाजिक जिम्मेदारी और प्रकृति के प्रति प्रेम की भावना को मजबूत करते हैं। अंत में सभी ने मिलकर पर्यावरण को हरा-भरा रखने और अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य मनोज सेन एवं सहायक प्राचार्य मोहिनी दीक्षित एवं स्टाफ रूपेंद्र कुमार पटेल, देवेंद्र सोनी, आशा देवी, अपूर्वा सिंह, सोहराब सिंह, रोहित अहिरवार एवं शिव कुमार आदि स्टाफ उपस्थित रहे।

कांग्रेसियों ने पूज्य बापू महात्मा गांधी के चित्र पर किया माला अर्पण

पन्ना। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जन्म जयंती के उपलक्ष में जिला कांग्रेस कमिटी द्वारा स्थानीय गांधी चौक पर पूज्य बापू महात्मा गांधी को याद करते हुए उनके चित्र पर माल्यार्पण किया तथा कहा कि अहिंसा के पुजारी महात्मा गांधी जी द्वारा पूरी दुनिया को यह संदेश दिया था सभी लोग हिंसा छोड़कर एक साथ भाईचारा के साथ रहकर अपनी प्रगति को आगे बढ़ा सकते हैं इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष अनीश खान कहां की हम सभी को महात्मा गांधी जी के पद चिन्हों पर चलना होगा। तभी हम



सभी का एवं हमारे देश का कल्याण होगा लोगों को अपने अंदर से नफरत भेदभाव को

त्यागना होगा एकता को मिसाल कायम करने का प्रयास करना होगा यही बापूजी का मूल सिद्धांत है। इस अवसर पर अनेक लोग उपस्थित रहे जिसमें मुख्य रूप से पूर्व विधायक श्रीकांत दुबे पूर्व प्रत्याशी जीवनलाल सिद्धार्थ ब्लॉक कांग्रेस कमिटी की अध्यक्ष श्रीमती रमा बुंदेला संगठन महामंत्री राज बहादुर पटेल कोषाध्यक्ष पुरुषोत्तम जड़िया मार्टंड देव बुंदेला योगेश जड़िया रियासत खान अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष जितेंद्र जाटव नगर अध्यक्ष स्वतंत्र अवस्थी मुन्ना खान आदि।

हाई स्कूल लोहरगांव में चलाया गया स्वच्छता अभियान

पन्ना। स्वच्छता ही सेवाकार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम पंचायत लोहार गांव में हाई स्कूल प्रांगण तथा अन्य स्थानों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया एवं प्रमुख स्थानों पर साफ सफाई की गई। इसके बाद विद्यालय में सरस्वती पूजन किया गया तथा गांधी जी एवं मां सरस्वती जी के चित्र पर माला अर्पण करते हुए उपस्थित शिक्षकों एवं छात्रों ने गांधी जी के द्वारा समाज के लिए किए गए विभिन्न कार्यों के संबंध में अपने-अपने विचार व्यक्त किए तत्पश्चात बच्चों कोस्वच्छता के प्रति सजगताकी समझावृष्टि एवं स्वच्छता की शपथ दिलाई गई स्कूल प्रांगण की साफ सफाई करवाई गई एवंस्वच्छता के महत्व कोसमझाया गया इस दौरान अनेक लोग उपस्थित रहे जिसमें मुख्य रूप से प्राचार्य अरविंद द्विवेदी कीर्ति भान गौतम विद्यालय की शिक्षक शिक्षिकाएं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

जेके सीमेंट की प्रेरणादायक पहल, स्वास्थ्य, पशुधन और स्वच्छता अभियान संपन्न

पन्ना। पन्ना सामाजिक सरोकार और जनहित के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता को निभाते हुए, जेके सीमेंट द्वारा क्षेत्र में मानव स्वास्थ्य, पशु चिकित्सा और स्वच्छता को लेकर एक बेहद सराहनीय, ऊर्जावान और सकारात्मक अभियान चलाया गया है। इस शानदार पहल ने स्थानीय ग्रामीणों और आम जनता के बीच भारी उत्साह और खुशी की लहर दौड़ा दी है।

पर्वई के सरकारी अस्पताल केंद्र में 100 टीबी किट्स का वितरण किया गया। इस मानवीय पहल का मुख्य उद्देश्य रोगियों को बेहतर पोषण और सामग्री उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें इस गंभीर बीमारी से लड़ने और जल्द स्वस्थ होने में पूरा संबल मिल सके। स्थानीय लोगों ने कंपनी के इस संवेदनशील कदम की खुले



दिल से प्रशंसा की है। कोनी गांव में पशुधन की बेहतरीन देखभाल और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए एक विशाल पशु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 113 पशुओं में किलनी नाशक एवं कृमिनाशक दवा का वितरण 25 बॉझ पशुओं का इलाज साथ ही साथ 46 नवजात बछड़ों को कृमिनाशक दवा पिलायी गई। साथ ही साथ कुछ पशुओं का प्राथमिक उपचार भी किया गया स्थानीय किसानों

श्रमदान कर साफ-सफाई करवाई गई। इस अभियान ने समाज में एक बेहद सकारात्मक संदेश दिया है। जेके सीमेंट केवल उद्योग तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के हर वर्ग के कल्याण, स्वस्थ और सशक्त परिवेश के निर्माण के लिए पूरी तरह समर्पित है। ऐसे कार्यक्रम समाज में एक नई उम्मीद और विकास की एक नई मिसाल पेश करते हैं। यह शानदार अभियान इस बात का प्रतीक है कि जब सच्ची नीयत और ऊर्जा के साथ सामाजिक जिम्मेदारी निभाई जाती है, तो एक बेहतरीन, स्वस्थ और समृद्ध समाज का निर्माण होता है। जेके सीमेंट की इस सकारात्मक पहल की हर तरफ चर्चा है और स्थानीय जनता इससे बेहद प्रभावित है।

‘सेवा सेतु अभियान - सरकार आपके द्वार’ के तहत 4 अक्टूबर को आयोजित होने वाले मेगा सेवा सेतु शिविर की तैयारियों को लेकर उपायुक्त प्रकाश द्विवेदी ने बैठक लेकर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।



त्यौंथर क्षेत्र को विकसित और समृद्ध बनायेंगे : विधायक

विधायक त्यौंथर ने मझिगवां में किया सेवा सेतु शिविर का शुभारंभ

सेवा संकल्प अभियान प्रधानमंत्री जी के 25 वर्षों के की सेवा का अभिनंदन : विधायक

आमजनता के हर आवेदन का होगा समुचित निराकरण : प्रभारी कलेक्टर



रीवा। सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले में तीन और 4 अक्टूबर को सेवा सेतु शिविर लगाये जा रहे हैं। इस क्रम में त्यौंथर विधानसभा क्षेत्र में ग्राम मझिगवां में आयोजित सेवा सेतु तथा जनविश्वास शिविर का शुभारंभ विधायक त्यौंथर श्री सिद्धार्थ तिवारी राज ने किया। शिविर हायर सेकेण्डरी स्कूल परिसर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर विधायक श्री तिवारी ने कहा कि जनता को शासन की योजनाओं का उनके

गांव में आकर लाभ देने तथा उनके आवेदन पत्रों के निराकरण के लिए शिविर लगाया गया है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जनसेवा के 25 गौरवशाली वर्ष मनाने का उत्सव सेवा संकल्प अभियान है। अभियान के तहत हर पात्र हितग्राही को योजनाओं से लाभांवित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री जी और प्रदेश के मुख्यमंत्री जी सदैव गरीबों के

कल्याण की चिंता करते हैं। पहले गरीब मजदूर की मौत पर परिवार अनाथ हो जाता था अब हमारी सरकार मजदूर की असमय मौत पर परिवारजनों को संबल योजना से 4 लाख रुपये की सहायता दे रही है। आयुष्मान कार्ड से गरीब व्यक्ति भी बड़े से बड़े अस्पताल में अपना इलाज करा रहा है। उसे एक साल में 5 लाख रुपये की उपचार सहायता दी जा रही है। महिला सशक्तिकरण के लिए

सरकार लगातार प्रयास कर रही है। लाड़ली बहना योजना और लाड़ली लक्ष्मी योजना ने महिला सशक्तिकरण का मार्ग प्रशस्त किया है। विधायक श्री तिवारी ने कहा कि मेरे बाबा श्रीयुक्त श्री निवास तिवारी का कार्यक्षेत्र त्यौंथर रहा है। आमजनता ने उनके नाती को भी सेवा के लिए आशीर्वाद दिया है। त्यौंथर को हर दृष्टि से विकसित और समृद्ध बनायेंगे। त्यौंथर मध्यप्रदेश का प्रदेश द्वार है। मुख्यमंत्री जी ने गतवर्ष त्यौंथर में आकर अनेक सौगातों दी यहां 400 हेक्टेयर में औद्योगिक क्षेत्र का निर्माण किया जा रहा है। मीरबहरी पुल का निर्माण पूरा हो गया है। त्यौंथर को आईटीआई की सौगात मिली है। विधायक ने आमजनता के आवेदन पत्रों में सुनवाई करते हुए बीएमओ को उपचार व्यवस्था तथा कार्यपालन यंत्री विद्युत मंडल को बिजली व्यवस्था में सुधार के निर्देश दिए।

शिविर में प्रभारी कलेक्टर तथा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती सृष्टि देशमुख ने कहा कि आमजनता से मिले सभी आवेदन पत्रों का समुचित निराकरण किया जायेगा। पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ देने के लिए आवेदन पत्र भरवाये जा रहे हैं। शिविर में स्वास्थ्य केन्द्र में निःशुल्क जांच, आधार कार्ड तथा आयुष्मान कार्ड बनाने एवं खाद्य सुरक्षा योजना के हितग्राहियों के ईकेवाईसी अपडेशन की भी व्यवस्था है। शिविर के साथ-साथ अधिकारियों द्वारा उचित मूल्य दुकान, हाई स्कूल, पंचायत कार्यालय तथा उप स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण किया गया है। शिविर में शासन की योजनाओं का लाभ देने के लिए जिला एवं विकासखण्ड स्तर के अधिकारी विभागवार स्टालों में उपस्थित हैं। शिविर के साथ उद्यम संवाद का भी आयोजन किया गया है।

सेवा संकल्प अभियान में जिला चिकित्सालय में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर संपन्न

निःशुल्क जांच शिविर में 781 रोगियों की हुई जांच



रीवा। जिला चिकित्सालय रीवा में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत निःशुल्क जांच एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 781 मरीजों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं आवश्यक

जांच की गई तथा चिकित्सकों द्वारा मरीजों को आवश्यक परामर्श एवं उपचार संबंधी मार्गदर्शन प्रदान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष श्री वीरेन्द्र गुप्ता द्वारा किया गया। इस

अवसर पर संभाग संयोजक श्री अनिल पटेल, मंडल अध्यक्ष श्री गौरव पाण्डेय, शिवम द्विवेदी, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. के.बी. गौतम, डॉ. अनुराग शर्मा, आर.एम.ओ. डॉ. के.के. तिवारी, सहायक प्रबंधक डॉ. रवीन्द्र नाथ मिश्रा सहित जिला चिकित्सालय के चिकित्सक, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। शिविर के दौरान मरीजों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की जांच कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराया गया।

विद्यार्थियों ने वृद्धाश्रम पहुंचकर बुजुर्गों के साथ बिताया समय

रीवा। पेन्टियम प्वाइंट ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के छात्र-छात्राओं ने सामाजिक सरोकार के तहत रीवा स्थित वृद्धाश्रम स्वागत भवन रीवा का भ्रमण किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने वृद्धाश्रम में निवासरत बुजुर्गों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और उनके साथ समय बिताया इसके साथ ही संस्था द्वारा वृद्धजनों की सहूलियत हेतु कुर्सियां दान की गईं, वहीं संस्था व छात्रों के सहयोग से वृद्धजनों को फल एवं दैनिक उपयोग की सामग्री वितरित की गई। विद्यार्थियों ने बुजुर्गों से बातचीत कर उनके जीवन के अनुभवों को जाना तथा उनके प्रति



सम्मान और संवेदना व्यक्त की। इस दौरान विद्यार्थियों ने बुजुर्गों के साथ आत्मीय संवाद करते हुए उनके सुख-दुख को समझने का प्रयास किया।

इस कार्यक्रम का निर्देशन पेंटियम प्वाइंट ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशंस के कार्यकारी संचालक यशवर्धन त्रिपाठी व

संस्था के शैक्षणिक संचालक डॉ एसके त्रिपाठी ने किया।

भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव श्री राजेंद्र पांडे जी द्वारा समस्त छात्र-छात्राओं को स्वयं संपूर्ण वृद्ध आश्रम का भ्रमण करवाया गया तथा वहां की कार्यप्रणाली को छात्र-छात्राओं को समझाया गया वह बताया गया, श्री

राजेंद्र पांडे जी के कार्य कौशल हेतु महाविद्यालय प्रबंधन ने तारीफ की और कहा की पूर्व वर्षों में हमारे छात्रों ने वृद्ध आश्रम का भ्रमण किया था तब से और आज के बीच में काफी परिवर्तन देखने को मिला है साथ ही वृद्ध आश्रम के प्रबंधक डॉ राधेवंद सिंह जी का योगदान तथा समर्पण स्पष्ट दिखाई दे रहा था केयरटेकर सुश्री अन्नपूर्णा जी का सेवा भाव वृद्धि जनों के प्रति सराहनीय था।

महाविद्यालय मुख्य प्रबंध निदेशक जी ने रेड क्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ प्रभाकर चतुर्वेदी तथा सचिव श्री राजेंद्र पांडे जी को उनके सराहनीय कार्य हेतु धन्यवाद प्रेषित

किया साथ ही संस्थान की ओर से संस्था के मुख्य प्रबंध संचालक श्री बीएन त्रिपाठी ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि कि इस प्रकार की सामाजिक गतिविधियों का उद्देश्य विद्यार्थियों में मानवीय संवेदनाओं, सामाजिक जिम्मेदारी और सेवा भावना को बढ़ावा देना है। विद्यार्थियों ने भी वृद्धाश्रम का यह भ्रमण अपने लिए एक भावनात्मक एवं सीख देने वाला अनुभव बताया। इस अवसर पर संस्था की तरफ से सहायक प्राध्यापक गिरिश भाई पटेल, डॉ सपना त्रिवेदी , डॉ विकास पांडेय, डॉ कविता सिंह सहित अन्य शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

नगर पालिक निगम रीवा के चारों जोन में कल ‘सेवा सेतु अभियान - सरकार आपके द्वार’ के अंतर्गत मेगा शिविर

सेवा सेतु शिविर की तैयारियों को लेकर उपायुक्त प्रकाश द्विवेदी ने ली बैठक, कर्मचारियों को दिए निर्देश

रीवा। ‘सेवा सेतु अभियान - सरकार आपके द्वार’ के तहत 4 अक्टूबर को आयोजित होने वाले मेगा सेवा सेतु शिविर की तैयारियों को लेकर उपायुक्त श्री प्रकाश द्विवेदी ने बैठक लेकर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उपायुक्त श्री द्विवेदी ने शिविर की व्यवस्थाओं को समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को समयबद्ध तरीके से सभी तैयारियां पूर्ण करने तथा शिविर में आने वाले नागरिकों को शासकीय सेवाओं का लाभ सुगमता से उपलब्ध करने के निर्देश दिए।

उन्होंने निर्देश दिए कि नगर निगम के सभी अधिकारी, कर्मचारी, सेवा प्रदाता निर्धारित समय पर शिविर में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें, अधिक से अधिक हितग्राहियों को लाभाभक्त करने हेतु उन्हें प्रेरित करें और कार्यक्रम को सफल बनाएं। उन्होंने कहा कि नागरिकों को सेवाओं के लिए अनावश्यक परेशानी न हो तथा उनके आवेदनों एवं समस्याओं का निर्यामों के अनुरूप यथासंभव त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए। शिविर में आने वाले

नागरिकों को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने के साथ ही संबंधित विभागों के कर्मचारियों द्वारा समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश भी दिए गए। उल्लेखनीय है कि 4 अक्टूबर दिन रविवार को प्रातः 10 बजे से नगर निगम कार्यालय के टाउन हॉल सहित सभी जोन कार्यालयों में मेगा सेवा सेतु शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर जोन क्र. 1 जोन कार्यालय परिसर, जोन क्र. 2 टाउन हॉल, नगर पालिक निगम रीवा, जोन क्र. 3 सामुदायिक भवन, वार्ड क्र. 13 एवं जोन क्र. 4 जोन कार्यालय परिसर में लगाया जाएगा।

शिविर में शासन की सभी योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध होगा, जहाँ पीएम स्वनिधि, आयुष्मान भारत, उज्ज्वला योजना, लाड़ली बहना योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, ई-श्रम पंजीयन, पीएम सूर्य घर, जन्म-मृत्यु एवं विवाह प्रमाण-पत्र, संपत्ति कर एवं पेयजल कनेक्शन सहित विभिन्न विभागों की योजनाओं की जानकारी, आवेदन की सुविधा एवं समस्याओं का मौके पर समाधान किया जाएगा। साथ ही स्वास्थ्य शिविर, योजना आधारित प्रदर्शनी की व्यवस्था भी रहेगी।

उप मुख्यमंत्री आज आयेंगे रीवा

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल 3 अक्टूबर को रात 9.55 बजे रानीकमलापति रेलवे स्टेशन भोपाल से रेवांचल एक्सप्रेस ट्रेन से प्रस्थान कर 4 अक्टूबर को सुबह 8 बजे रीवा पहुंचेंगे। उप मुख्यमंत्री 4 अक्टूबर को विभिन्न कार्यक्रमों शामिल होंगे।

सेवा सेतु शिविरों में आमजनता से 4510 आवेदन पत्र

रीवा। जिले भर में सेवा संकल्प अभियान 17 अक्टूबर तक चलाया जा रहा है। अभियान के तहत 3 अक्टूबर को जिले के सभी विकासखण्डों में सेवा सेतु तथा जन विश्वास शिविर आयोजित किये गये। इन शिविरों में विधायकगणों तथा अन्य जनप्रतिनिधियों ने भागीदारी निभाते हुए आमजनता के आवेदनों में सुनवाई की। शिविर में प्रभारी कलेक्टर श्रीमती सृष्टि देशमुख सभी एसडीएम, जनपद के

सीईओ, जिला स्तरीय अधिकारियों तथा खण्ड स्तरीय अधिकारियों ने भागीदारी निभाई। इस संबंध में प्रभारी कलेक्टर ने बताया कि सेवा सेतु शिविर में आमजनता से 4510 आवेदन पत्र प्राप्त हुए। विकासखण्ड गंगेव में 1957, विकासखण्ड जवा में 180, विकासखण्ड त्यौंथर में 269, विकासखण्ड रायपुर कर्तुलियाण में 317, विकासखण्ड रीवा में 273, विकासखण्ड सिरमौर में 1512 आवेदन पत्र प्राप्त हुए। इन

आवेदन पत्रों पर तत्परता से कार्यवाही करके इनका निराकरण किया जा रहा है। इन शिविरों के साथ स्वास्थ्य जांच शिविर, आधार कार्ड सुधारने तथा आयुष्मान कार्ड बनाने के भी शिविर लगाये गये। शिविर में खाद्य विभाग द्वारा ग्रामीण विकास विभाग के सहयोग से छूटे हुए राशनकार्ड धारियों की ईकेवाईसी कराई गई। इन शिविरों में बड़ी संख्या में आमजन शामिल होकर योजनाओं से लाभांवित हुए।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन अंतर्गत फसलों का भौतिक सत्यापन संपन्न



रीवा। उप संचालक कृषि रीवा के निर्देशानुसार राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन, दलहन एवं तिलहन मिशन, सब मिशन ऑन न्यूट्रिशनल सीरियल्स एवं सॉइल हेल्थ एंड फर्टिलिटी के अंतर्गत विकासखंड गंगेव के ग्राम देवास, बांस, माला, रक्सा माजन में कृषि विभाग, आत्मा परियोजना एवं कृषि वैज्ञानिक दल द्वारा कृषकों के खेतों का भ्रमण कर फसलों

का भौतिक सत्यापन किया गया। साथ ही कृषि मैपर में प्रदर्शन प्लॉट को जियोटैग किया गया। सत्यापन दल में कृषि वैज्ञानिक, रीवा डॉ. एम.एल. वर्मा, डा भानू प्रताप सिंह परियोजना संचालक आत्मा समिति रीवा,वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्री शिवसरण सरल, आत्मा परियोजना से तकनीकी प्रबंधक श्री दीपक कुमार श्रीवास्तव तथा एवं श्री युगल किशोर प्रधान

शामिल रहे। इस दौरान राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन अंतर्गत श्री रामनरेश पटेल के यहाँ धान, सब मिशन ऑन नुट्रिशनरियल अंतर्गत श्री मोती लाल पटेल के यहाँ रागी, दलहन मिशन अंतर्गत श्री बबलू सिंह के यहाँ उड़द एवं मूंग को फसलों का निरीक्षण किया गया।वर्तमान समय में इसका प्रकोप कई जगह देखने को मिल रहा है, सूडियां पत्तियों को आपस में जोड़कर लपेट लेती हैं और उसी के अंदर छिपकर हरी सतह या क्लोरोफिल को खुरच-खुरच कर खाती हैं।

शिक्षक अपनी पूरी क्षमता एवं इच्छा शक्ति से बच्चों को जेईई और नीट का अध्ययन करवाए : कमिश्नर

शिक्षक बेहतर समय प्रबंधन करते हुए उपलब्ध शैक्षणिक संसाधनों का छात्र हित में बेहतर उपयोग करें

रीवा। रीवा संभाग कमिश्नर शोलेंद्र सिंह ने कहा कि शिक्षक कमियां निकालने की बजाय उपलब्ध शैक्षणिक संसाधनों से बेहतर समय प्रबंधन करते हुए विद्यार्थियों को बेहतर विद्या अध्ययन कराए , सभी विषय विशेषज्ञ शिक्षक अपनी क्षमता को पहचाने और अपनी पूरी क्षमता एवं इच्छा शक्ति से बच्चों को जेईई एवं नीट की पढ़ाई करवाए । शिक्षक अपनी क्षमता का सही उपयोग कर समाज में सम्मान प्राप्त करें , उल्लेखनीय है कि रीवा संभाग कमिश्नर श्री शोलेंद्र सिंह शनिवार को कृष्णा राज कपूर ऑडिटोरियम में आयोजित रीवा एवं मऊज जिले के शासकीय विद्यालयों में



अध्यनरत छात्र-छात्राओं के लिए संचालित नीट एवं जेईई की विशेष कोचिंग कक्षा में अध्यापन करने वाले विषय विशेषज्ञ शिक्षकों के एक दिवसीय उन्मुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने

वर्ष 2025 में कक्षा दसवीं एवं कक्षा 12वीं में प्रदेश को प्रावीण सूची में अपना स्थान बनाने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया तथा एलएन संस्था से आए विषय विशेषज्ञ शिक्षकों को भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया ।

कमिश्नर ने कहा कि शिक्षक उन्मुखीकरण प्रशिक्षण का यह कार्यक्रम सबसे पहले प्रदेश में रीवा संभाग में ही आयोजित हो रहा है, कमिश्नर ने कहा कि आज शिक्षकों के पास बच्चों को पढ़ाने के लिए एक मजबूत इच्छा शक्ति एवं क्षमता के साथ-साथ पाठ्य पुस्तक, सिलेबस ,पुराने प्रश्न पत्र एवं नोट्स उपलब्ध हैं । शिक्षक इनका सही उपयोग कर बच्चों को जेईई और नीट की तैयारी कराए । रीवा जिले के शिक्षक अपनी बुद्धिमत्ता के लिए पहचाने जाते हैं, शिक्षक अपनी प्रतिभा का सही उपयोग करें। हम सब मिलकर रीवा संभाग में एक सकारात्मक वातावरण निर्मित करेंगे और रीवा संभाग को

हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए कार्य करेंगे। कोई व्यक्ति यह ना सोचे कि मेरे अकेले प्रयास करने से क्या होगा । सरकारी शिक्षक की क्षमता प्राइवेट स्कूल के शिक्षक से ज्यादा होती है , केवल आवश्यकता है कि हम अपनी सोच और धारणा को बदलें । सरकारी शिक्षकों की क्वालिफिकेशन किसी भी मामले में कम नहीं होती है। बस हम अपनी धारणा को बदलते हुए इसका सही उपयोग करें । कमिश्नर ने सभी शिक्षकों को आश्वस्त किया कि वह कभी यह न सोचे कि जेईई और नीट की अतिरिक्त कक्षाओ में समय देने पर उनका कक्षा दसवीं एवं कक्षा 12वीं का रिजल्ट पिछड़ जाएगा ।